www.rpcau.ac.in

# आरपीसीएयू ई-न्यूजलेटर

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर, बिहार-848 125

खंड–5 | अंक–10 | अक्टूबर –2024

इस अंक में...


- भा.कृ.अनु.प.-एआईईईए (पीजी) 2024 में अच्छी रैंक हासिल की — P. 2
- पोषण भी, पढ़ाई भी — P. 3
- जागरूकता सह संवाद कार्यक्रम — P. 5
- मशरूम उत्पादन — P. 5
- विशेष उपलब्धि — P. 7
- गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन — P. 7
- सेवानिवृति समारोह — P. 8


## माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

**प्रिय पाठकों,**

मुझे ई-न्यूज़लैटर का अक्टूबर 2024 संस्करण प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा की गतिविधियों और उपलब्धियों का जीवंत विवरण प्रस्तुत किया गया है। सितंबर महीना असाधारण रूप से उल्लेखनीय रहा है, जिसमें कृषि नवाचार, सामुदायिक सहभागिता और शैक्षणिक उत्कृष्टता में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि हमारे विश्वविद्यालयने कृषि शिक्षा और ग्रामीण सशक्तिकरण के अपने मिशन में उल्लेखनीय प्रगति की है। दिनांक 1 सितंबर, 2024 को कृषि विज्ञान केंद्र, पिपराकोठी में आयोजित "प्रगतिशील किसान एवं पशुपालक किसान सम्मान समारोह" हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। माननीय सांसद और पूर्व कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह और बिहार के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी की उपस्थिति ने भा.कृ.अनु.प.-अटारी, पटना और इफको के साथ इस सहयोगात्मक प्रयास के महत्व को और बढ़ाया ।

महीने भर चलने वाले 'हिंदी चेतना माह' समारोह का उद्घाटन 02-09-2024 को मुख्य अतिथि डॉ. लक्ष्मी निवास पांडेय, माननीय कुलपति, कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा की उपस्थिति में हुआ, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए हमारे समर्पण का उदाहरण है। विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के माध्यम से, हमने अपने विश्वविद्यालय समुदाय की उत्साही भागीदारी देखी, जिसका समापन प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. संजय पंकज की गरिमामयी उपस्थिति के साथ संपन्न हुआ।

श्री राधा मोहन सिंह, माननीय सांसद और पूर्व कृषि मंत्री, भारत सरकार के उत्कृष्ट नेतृत्व में 4 सितंबर को "किसान लाभार्थी सम्मेलन" का सफल आयोजन और मुख्य अतिथि माननीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री श्री सतीश चंद्र दुबे ने कृषक समुदाय के साथ हमारे संबंधों को और मजबूत किया। प्रगतिशील किसानों की पहचान ने कृषि नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रेरणा का काम किया। मुझे 15-30 सितंबर, 2024 तक "स्वच्छता ही सेवा" अभियान में हमारे विश्वविद्यालय के व्यापक भागीदारी पर विशेष रूप से गर्व है।

सतत कृषि के प्रति प्रतिबद्धता को दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के माध्यम से रेखांकित किया गया। "वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन" पर एक व्यापक छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (6-11 सितंबर) में 50 उत्साही प्रतिभागियों को लाभ मिला और "जलवायु अनुकूल कृषि और आपदा प्रबंधन" पर एक विचारोत्तेजक राष्ट्रीय सम्मेलन (26 सितंबर) का आयोजन हुआ जिसमे डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव, मुख्य आर्थिक विश्लेषक, इकनोमिक एंड सोशल कमिशन फॉर एशिया पसिफ़िक (ESCAP), यूनेस्को, थाईलैंड सहित प्रसिद्ध विद्वानों की विशेषज्ञ अंतर्दृष्टि शामिल रही।

ये उपलब्धियाँ हमारे संकाय सदस्यों , कर्मचारियों, छात्रों एवं अन्य हितधारकों के सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। मैं इन उपलब्धियों में योगदान देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद करता हूँ। हम साथ मिलकर कृषि उत्कृष्टता और ग्रामीण समृद्धि के अपने दृष्टिकोण की दिशा में आगे बढ़ते रहेंगे।

**जय हिन्द!**

(पी.एस. पाण्डेय)

## EDUCATION & EDUCATIONAL ACTIVITIES

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** (बैच- 2020-24) के छात्रों ने भा.कृ.अनु.प. -एआईईईए (पीजी) 2024 में अच्छी रैंक हासिल की और 19 छात्रों का चयन हुआ। माननीय कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने इस उपलब्धि के लिए तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली के छात्रों को हार्दिक बधाई दी। अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने टीसीए के सभी ध्वजवाहकों और सभी संकाय सदस्यों को स्नातक कार्यक्रम के दौरान उनके सक्षम मार्गदर्शन के लिए बधाई दी।

➢ **तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली** के दूसरे और चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थियों की अंतिम सत्र परीक्षाएं दिनांक 04.09.24 से 14.09.24 तक सफलतापूर्वक संपन्न हुईं। अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली ने अंतिम सत्र परीक्षा के सुचारू संचालन और आंतरिक ग्रेड शीट समय पर जमा करने के लिए सभी संकाय सदस्यों की सराहना की।

➢ **मत्स्य विज्ञान (स्नातक)** चतुर्थ वर्ष, 7वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने दिनांक 19.09.24 से 01.10.24 तक अध्ययन भ्रमण के दौरान देश भर के कई प्रतिष्ठित मत्स्य पालन संस्थानों और मछली फार्मों जैसे मयंक एक्वाकल्चर प्राइवेट लिमिटेड, सूरत, गुजरात, भा.कृ.अनु.प.-सिफे, मुंबई, भा.कृ.अनु.प.- सीसीएआरआई, एनआईओ, गोवा, मत्स्य महाविद्यालय, मंगलुरु और भा.कृ.अनु.प.-सीएमएफआरआई और भा.कृ.अनु.प.-सीआईएफटी का भ्रमण किया।

➢ **टैफे (TAFE)** द्वारा कृषि अभियंत्रण के सात बी.टेक. छात्रों को 6 लाख प्रति वर्ष के पैकेज पर चयन किया गया। दिनांक 22.09.2024 को टैफे (TAFE) अधिकारियों द्वारा (ऑनलाइन परीक्षा के आधार पर) तेरह (13) शॉर्टलिस्ट किए गए छात्रों का साक्षात्कार लिया गया, जिनमें से सात (7) का अंतिम रूप से चयन किया गया।

➢ **दिनांक 30.10.24 को, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय ने सीबीएसएच (CBSH) व्याख्यान श्रृंखला में अपना छठा व्याख्यान आयोजित किया,** जिसमें भा.कृ.अनु.प. -सीफेट, लुधियाना के निदेशक डॉ. नचिकेत कोतवालवाले ने 'रेडूसिंग फ़ूड लॉस एंड वेस्ट : पाथवेज़ टू सस्टेनेबल फ़ूड सिस्टम्स ग्लोबल फ़ूड सिक्योरिटी' शीर्षक पर अधिष्ठाता डॉ. अमरेश चंद्र की अध्यक्षता में व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में आधार विज्ञान एवं

मानविकी महाविद्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, पंडित दीन दयाल उपाध्याय उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय , स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय के संकाय और छात्रों सहित लगभग 3 0 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डॉ. कोतवालवाले ने फोर्टिफिकेशन और पोषण में अंत: विषय सहकार्यता के महत्व पर जोर दिया।

➢ **मत्स्यकी महाविद्यालय,ढोली के 22 छात्रों ने भा.कृ.अनु.प.-एआईईईए (पीजी) परीक्षा उत्तीर्ण की।**

## अनुसंधान गतिविधियाँ

➢ **कृषि महिलाओं के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित**

खाद्य विज्ञान एवं पोषण विभाग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह, 2024 के दौरान समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर प्रखंड के लदौरा गांव में दिनांक 10.9.2024 को कृषिरत महिलाओं के लिए "स्वस्थ परिवार के लिए संतुलित आहार का महत्व" विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषिरत महिलाओं के बीच संतुलित आहार के बारे में जागरूकता पैदा करना तथा विभिन्न गैर-संचारी रोगों जैसे मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप आदि को रोकने के लिए स्वस्थ जीवन शैली के लिए पर्याप्त और उचित आहार सुनिश्चित करना था। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक कृषिरत महिलाओं ने भाग लिया।

➢ **राष्ट्रीय पोषण माह, 2024** के दौरान अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, (कृषिरत महिला) के अंतर्गत दिनांक 12.9.2024 को शिवहर जिले के शिवहर प्रखंड के सुंदरपुर गांव में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, पूसा द्वारा "पोषण भी, पढ़ाई भी" विषय पर प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य मोटे अनाजों के महत्व और उसके मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए उचित प्री-कुकिंग और विभिन्न प्रसंस्करण विधियों को अपनाने के बारे में कृषक महिलाओं, किशोरियों में जागरूकता पैदा करना था। इस कार्यक्रम में 35 से अधिक कृषक महिलाओं एवं किशोरियों ने भाग लिया।

➢ **निगरानी दल ने प्रायोगिक क्षेत्रों का भ्रमण किया**

आईसीआरआईएसएटी की वैज्ञानिक निगरानी टीम ने 24 सितंबर 2024 को रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में चल रही सीओईएमवीसी परियोजना का भ्रमण और समीक्षा की। मूल्यांकन परिभ्रमण के

दौरान सीओईएमवीसी परियोजना से जुड़े सभी संबद्ध वैज्ञानिक मौजूद रहे।

➢ **आलू पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान** परियोजना के प्रधान अन्वेषक ने रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा से संबद्ध सस्य वैज्ञानिको के साथ दिनांक 22 से 24 सितंबर 2024 के दौरान एएनडीयूएटी अयोध्या, यूपी में आयोजित आलू पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की 42वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया।

**मक्का:** भा.कृ.अनु.प.--भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (IIMR) की निगरानी टीम ने दिनांक 29.09.2024 को खरीफ मक्का-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ढोली केंद्र के प्रायोगिक प्रक्षेत्र का दौरा किया। निगरानी दल के सदस्यों ने प्रजनन, कृषि विज्ञान, रोग विज्ञान और कीट विज्ञान के क्षेत्र प्रयोगों का गहन निरीक्षण किया और ऍफ़.एल.डी (FLD) कार्यक्रम पर भी चर्चा की। परिभ्रमण के दौरान सभी संबंधित वैज्ञानिक और कर्मचारी मौजूद थे।

**बाजरा:** कदन्न पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना की निगरानी टीम ने 30.09.2024 को ढोली और पूसा में रा.प्र.के.कृ.वि. कदन्न के प्रायोगिक प्रक्षेत्रो का परिभ्रमण किया। इस दौरान परियोजना से जुड़े सभी वैज्ञानिक और शोध विद्वान मौजूद थे।

➢ **मधुमक्खी पालकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम** 6 से 11 सितंबर, 2024 तक "वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन उद्यमों को मजबूत करना और शहद का मूल्य संवर्धन" विषय पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बिहार के विभिन्न जिलों से पचास (50) किसानों/मधुमक्खी पालकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम मधुमक्खी पालन केंद्र, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित 'बिहार में भौगोलिक संकेतकों के माध्यम से लीची शहद विकास को बढ़ावा' परियोजना के तहत आयोजित किया गया।

## प्रसार गतिविधियाँ

➢ **कृषि व्यवसाय और ग्रामीण प्रबंधन संस्थान (एस.ए.बी.एंड आर.एम.)** ने कैंपस पब्लिक स्कूल, पूसा एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पूसा, समस्तीपुर में "बिहार स्टार्टअप नीति के तहत स्टार्टअप्स" पर संवेदीकरण और जागरूकता अभियान नामक दो आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां क्रमशः 26 और 27

सितंबर 2024 को 165 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने सत्र में भाग लिया।

- **कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय (सीएईटी):** दिनांक 26 सितंबर, 2024 को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना ऑन पीएचईटी, प्रसंस्करण एवं खाद्य अभियांत्रिकी विभाग ने रोस्टर मशीन, कदंब जैम, जेली, बार और पेठा सहित विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन "समृद्ध राष्ट्र के लिए जलवायु अनुकूल कृषि और आपदा प्रबंधन" पर केंद्रित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का हिस्सा था।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, जाले** ने दिनांक 23 सितंबर 2024 को जलवायु अनुकूल कृषि पर जागरूकता सह संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय स्वास्थ्य सह कृषि मंत्री, बिहार सरकार, श्री मंगल पांडे, विशिष्ट अतिथि माननीय सांसद राज्यसभा श्रीमती धर्मशीला गुप्ता, माननीय विधायक, दरभंगा, श्री संजय सरावगी, माननीय विधायक, जाले, डॉ. जिबेश कुमार और माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, डॉ. पी.एस. पाण्डेय उपस्थित रहे। इसी अवसर पर किसानों ने अपने उत्पादों का भी प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम से लगभग 600 किसान लाभान्वित हुए। इस कार्यक्रम के दौरान, माननीय स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री ने कृषि कार्यक्रमों में किसानों की बड़ी संख्या में सहभागिता हेतु कृषि विज्ञान केंद्र, जाले को 1.5 करोड़ रुपये के बजट का एक सभागार प्रदान करने की घोषणा की।

## प्रशिक्षण/कार्यशाला/सेमिनार/जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

- **कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली** ने 19 से 23 सितंबर, 2024 तक मशरूम उत्पादन पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसी तरह दिनांक 1 से 30 सितंबर 2024 तक पोषण माह मनाया गया। महीने भर चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान पोषण और आहार की भूमिका पर विभिन्न प्रतियोगिताएं और कार्यक्रम आयोजित किए गए। न्यूट्री गार्डन और बायोफोर्टिफाइड किस्मों के बारे में जागरूकता भी

आयोजित की गई और किसानों और कृषक महिलाओं को जानकारी दी गई।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, परसौनी** ने दिनांक 13.09.2024 को नोनिया (कचहरी टोला), पहाड़पुर में कृषि में सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के महत्व पर एक दिवसीय ऑफ कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 29 किसानों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इसी केंद्र ने 23 से 28 सितंबर 2024 तक प्रौद्योगिकी सप्ताह मनाया, जिसमें नवीन कृषि पद्धतियों जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जहां किसानों को अजोला, कृषि उपकरण बैंक, वर्मीकंपोस्टिंग, सौर वृक्ष, एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस), डीएसआर, बाजरा और कृषि विज्ञान केंद्र की सब्जी नर्सरी सहित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों को जानने का अवसर मिला। केवीके परिसर में "सौर ऊर्जा चालित सिंचाई प्रणाली" विषय पर ग्रामीण युवाओं के लिए पांच दिवसीय (15 से 20 सितंबर 2024) व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, गोपालगंज** ने सितंबर 2024 किसानों के लिए 09 और ग्रामीण युवाओं के लिए 02 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। इन प्रशिक्षणों में सामूहिक रूप से कुल 213 प्रतिभागी शामिल हुए। किसानों को उन्नत थ्रेसिंग उपकरणों के उपयोग, अनाज फसलों के टिकाऊ उत्पादन के लिए संसाधन संरक्षण तकनीकों, पोषक उद्यान (पोषण माह), मौसमी सब्जियों और फलों के मूल्य संवर्धन (पोषण माह), धान की फसल में कीट प्रबंधन, फसल विविधीकरण और जलवायु परिवर्तन में इसकी भूमिका और विभिन्न प्रकार के मशरूम की वैज्ञानिक खेती के महत्व से परिचित कराया गया। जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम (सीआरएपी) के तहत सूखे के प्रभाव को कम करने में लघु अवधि की किस्मों और सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के महत्व पर 03 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए । इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 75 किसानों ने भाग लिया।

➢ **कृषि विज्ञान केंद्र, सरैया** ने दिनांक 10 से 18 सितंबर 2024 तक "बकरी उत्पादन" और "बीज उत्पादन" पर पांच दिवसीय ऑन कैंपस व्यावसायिक प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसमें क्रमशः कुल 44 और 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसी तरह, 20 से 25 सितंबर 2024 तक "कृषि मशीनरी और सौर ऊर्जा सिंचाई प्रणालियों की

देखभाल और रखरखाव" तथा "तालाब में पॉलीकल्चर मछली पालन" पर पांच दिवसीय ऑन कैंपस व्यावसायिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें क्रमशः कुल 27 और 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

➤ **कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली** ने 23-28 सितंबर, 2024 तक केवीके के स्वर्ण जयंती वर्ष के दौरान कृषक स्वर्ण समृद्धि सप्ताह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि माननीय विधायक, हाजीपुर ने वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख केवीके वैशाली व अन्य सभी विषय वस्तु विशेषज्ञों की उपस्थिति में किया। प्रत्येक दिन अलग-अलग विषय जैसे कि पहला दिन: टिकाऊ खेती और आजीविका बढ़ाने के लिए नवीन कृषि पद्धतियाँ, दूसरा दिन: सर्वोत्तम पद्धतियों में फसल विविधीकरण, तीसरा दिन: कृषि व्यवसाय और मूल्य संवर्धन, चौथा दिन: पशुधन प्रबंधन और संबद्ध कृषि तथा पाँचवाँ दिन: किसानों के लिए वित्तीय और सरकारी सहायता के विषय पर मनाया गया।

## विशेष उपलब्धि

➤ **डॉ. सुधानंद प्रसाद लाल (सहायक प्राध्यापक सह वैज्ञानिक, कृषि प्रसार शिक्षा)** ने दिनांक 14.09.2024 को राष्ट्रीय कृषि प्रसार प्रबंधन संस्थान (मैनेज, हैदराबाद) के उप निदेशक (जेंडर अध्ययन) और प्रधान समन्वयक (पीजीडीएईएम) द्वारा आमंत्रित केंद्र/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, केवीके के कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए दूरस्थ मोड पर कृषि प्रसार प्रबंधन (पीजीडीएईएम) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए एक ऑनलाइन संपर्क कक्षा में एईएम-201: ग्रामीण समाजशास्त्र विषय पर व्याख्यान दिया।

## गणमान्य व्यक्तियों का विश्वविद्यालय में आगमन

**डॉ. लक्ष्मी निवास पांडे**

माननीय कुलपति
कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा
दिनांक 2 सितंबर 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

**डॉ. संजय पंकज**

साहित्यकार
दिनांक 2 सितंबर 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

**डॉ. संजय कुमार श्रीवास्तव**

मुख्य आर्थिक विश्लेषक
इकनोमिक एंड सोशल कमिशन फॉर एशिया पसिफ़िक (ESCAP), यूनेस्को, थाईलैंड
दिनांक 26 सितंबर 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

**प्रो. प्रधान पार्थ सारथी**

अधिष्ठाता
पृथ्वी जैविक और पर्यावरण विज्ञान, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया, बिहार
दिनांक 26 सितंबर 2024 को विश्वविद्यालय का भ्रमण किया।

## सेवानिवृति समारोह

➢ दिनांक 30 सितम्बर 2024 को विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत होने वाले निम्नलिखित विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विदाई समारोह माननीय कुलपति महोदय की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

1. **डॉ. सत्येन्द्र नारायण सिन्हा**
   टी.ओ., (टी-5), स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा
2. **श्री राम ललित ठाकुर**
   एसटीए, स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय, पूसा
3. **श्री योगी राम**
   एसएसएस, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली
4. **श्री राज कुमार पासवान**
   लैब टेक फार्म, एपीआरआई, पूसा
5. **श्री सिंधेश्वर महतो**
   एसएसएस, गन्ना अनुसन्धान संस्थान, पूसा

**संपादक - मंडल**

संरक्षक :
**डॉ. पी. एस. पाण्डेय**
माननीय कुलपति

मुख्य संपादक :
**डॉ. उमाकांत बेहेरा**

संकलन एवं संपादन :
डॉ. राकेश मणि शर्मा
डॉ. रवीश चन्द्रा
डॉ. सत्य प्रकाश
डॉ. के. एल. भूटिया
डॉ. आशीष कुमार पंडा
डॉ. मीनाक्षी द्विवेदी
डॉ. कुमार राज्यवर्धन

संपादकीय सहयोग :
श्री मनीष कुमार

प्रकाशक :
**प्रकाशन प्रभाग**
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर–848125, बिहार
E-mail : publicationdivision@rpcau.ac.in, Visit us at : www.rpcau.ac.in